केन्द्रीय विद्यालय एन.डी.ए.पुणे

आवर्त परीक्षा 1 - 2018

कक्षा - दसवीं – हिन्दी

प्रश्न पत्र प्रारुप एवं अंक योजना

क्र.सं.	उत्तर	अंक विभाजन	कुल योग
1.	अ.बेटियाँ या बेटियों की आत्मनिर्भरता। आ.कवि बेटियों को आत्मनिर्भर बनाना चाहता है। इ.बेटियाँ तंग सकरी दुर्गंध भरी गलियों से आती हैं और बेटे आते हैं खूब सूरत रंगीन चौड़ी-चौड़ी सड़कों से। ई.माँ-बाप भूल गए हैं, बेटियों को पढ़ाना । उ.बेटियाँ सूने घर की कीलकारी हैं, आंगन की सुन्दर फूलवारी हैं।	1x 5	5
2.	क.जो स्वावलम्बी व्यक्ति होते हैं, वे सदा सुखी रहते हैं। ख.सूर्योदय होते ही पक्षी बोलने लगे। ग.वह बाज़ार गया और सब्जियाँ खरीदी।	1x3	3
3.	क.राम- व्यक्ति वाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एक वचन, कर्ता कारक । ख.वह- सार्वनामिक विशेषण। ग.दिल्ली-व्यक्ति वाचक संज्ञा घ.सुबह- कालवाचक क्रिया विशेषण	1x4	4
4.	क. वह अपनी छोटी सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से एक नेता की मूर्ति पर लगा देता था। ख.कैप्टन चश्मेंवाले को नेता जी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती थी। ग.जब कोई ग्राहक आता है और उसे वैसे ही फ्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है तो कैप्टन चश्मेवाला मूर्ति पर लगा फ्रेम संभवत: नेता जी से क्षमा माँगते हुए – लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेता जी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है।	1+2+2	5

5.	क.एक छोटा सा कस्बा था,जिसमें एक लड़कों का और एक लड़कियों का स्कूल था। कुछ कच्चे और कुछ पक्के मकान थे। दो ओपेन एयर थिएटर थे। एक सीमेंट का कारखाना था। ख. पान वाला एक काला और मोटा व्यक्ति था, जब वह हँसता तो उसकी तोंद थिरकती थी। अधिक पान खाने से उसकी बत्तीसी लाल और काली पड़ गयी थी। वह बहुत भावुक व्यक्ति था। ग.बालगोविन भगत ने निम्नलिखित रुढ़ियों का खण्डन किया - 1.बेटे की मृत्यु पर दुख मनाने की बजाय प्रसन्नता मनाने को कहा। उनका मानना था कि आत्मा परमात्मा से मिल गयी है। 2.अपने बेटे की चिता को बेटे की पत्नी से आग दिलवायी।पहले पुरुष की चिता को महिलाएं आग नहीं देती थीं। 3.अपनी बहू को दूसरा विवाह करने के लिए प्रेरित किया और उसे अपने भाई के घर भेज दिया।	2+2+2	6
6.	क.रुपक अलंकार ख.उद्धव के व्यवहार की तुलना निम्नलिखित से की गई- 1.कमल के पत्ते से, जिस प्रकार कमल का पत्ता पानी में होता है लेकिन पानी से उसका कोई लेना-देना नहीं होता। 2. तेल पुती गागरी से, जिस प्रकार तेल पुती गागरी पर पानी की बूँदे नहीं चिपकती, उसी प्रकार उद्धव जी कृष्ण के साथ रहकर भी कृष्ण के प्रेम से उनको कोई लेना-देना नहीं था। ग.प्रस्तुत पंक्ति में यह भाव निहित है कि जिस प्रकार गुड़ से चींटी चिपक जाती है और उसे गुड़ से अलग नहीं किया जा सकता, उसी प्रकार गोपियों का मन कृष्ण के प्रेम से अलग नहीं किया सकता।	1+2+2	5
7.	क.गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में यह व्यंग्य निहित है कि वास्तव में गोपियाँ ही भाग्यशाली हैं। गोपियाँ कृष्ण से दूर रहकर भी कृष्ण से मनसा,वाचा,कर्मणा प्रेम करती हैं और उद्धव जी कृष्ण के साथ रहकर भी कृष्ण से प्रेम नहीं करते। ख. लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के समर्थन में निम्नलिखित तर्क	2+2	4

	दिया है – 1. हमने बचपन में बहुत सारी धनुष तोड़े हैं, लेकिन किसी ने कभी विरोध नहीं किया है। 2.इस पुरानी धनुष के टूट जाने से आपका क्या नुकसान हो गया और यदि यह धनुष नहीं टूटता तो आपको क्या लाभ हो जाता? ग.गोपियों के लिए योग का संदेश कड़वी ककड़ी के समान तीखा एवं त्याज्य लगता है। गोपियाँ कृष्ण के साकार स्वरुप की उपासिका हैं।		
8.	क. भोला नाथ के समय की खेल सामाग्री अत्यंत प्राकृतिक थी, उसके लिए धन की आवश्यकता नहीं थी, जैसे मिट्टी,धूल,पत्ते, कंकड़, पत्थर आदि होते थे लेकिन आज की खेल सामाग्री कृत्रिम एवं बनावटी और महँगी है, जैसे- फुटबाल, वीडियो गेम, बैट - बल्ला आदि। ख. बच्चे विपदा के समय माँ की शरण में ही जाना पसंद इसलिए करते हैं कि माँ से उन्हें गलती करने पर डाँट नहीं मिलती बल्कि माँ बच्चे से प्यार ही करती है। ग. बच्चे माता-पिता के काम में हाँथ बँटाकर, परीक्षा में अच्छे अंक लाकर आदि।	3	3
9.	पत्र के उचित प्रारुप पर अंक दिए जाने की आवश्यकता है।	5	5
		कुल योग	40